



न्यूज इनबॉक्स

मतदान दलों के कार्मिक अगले दिन भी माने जाएंगे चुनाव इ्यूटी पर

मतदान सामग्री जमा कराने में देर रात तक लगने वाले समय को देखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी किए आदेश

जयपुर (कांस) । पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत मतदान दलों में नियुक्त कार्मिकों को मतदान समाप्ति के बाद मतदान सामग्री संग्रहण स्थल पर जमा कराने में देर रात तक लगने वाले समय को देखते हुए अगले दिन भी चुनाव इ्यूटी पर माना जाएगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) नरेश नायक ने आदेश जारी किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान पूर्ण होने के पश्चात मतदान दलों के कार्मिकों को मतदान सामग्री संग्रहण स्थल पर जमा करानी होती है, जिसमें देर रात तक समय लग सकता है। ऐसे में संबंधित कार्मिकों को अगले दिन चुनाव इ्यूटी पर माना जाएगा तथा उन्हें उस दिन अपने संबंधित विभाग में उपस्थिति दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इस दिवस के लिए संबंधित कार्मिकों को कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

‘कन्नड़ लोगों को नौकरी से दूर रखा तो होगी कार्रवाई’

आईटी कंपनियों को सीएम की चेतावनी

बंगलूरु (एजेंसी) । कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि अगर निजी संस्थान राज्य में कन्नड़ लोगों को जानबूझकर नौकरी के अवसर नहीं देते हैं, तो सरकार उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि कन्नड़ लोगों के अधिकारों, सम्मान और रोजगार के अवसरों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिवकुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कन्नड़ लोगों को नजरअंदाज किए जाने की शिकायतों को सरकार ने गंभीरता से लिया है। उनके अधिकारों, सम्मान और अवसरों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनकर दुख होता है कि बंगलूरु की आईटी कंपनियों में कन्नड़ लोगों को नौकरी के अवसर नहीं दिए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। स्थानीय कन्नड़ भाषी लोगों को नजरअंदाज किए जाने के मुद्दे को सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में कन्नड़ लोगों का सर्वोच्च स्थान है। सरकार किसी भी कारण से कन्नड़ लोगों के अधिकारों, सम्मान और अवसरों की अनदेखी नहीं होने देगी। शिवकुमार ने कहा कि बंगलूरु को दुनियाभर में भारत की तकनीकी राजधानी के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य को कन्नड़ लोगों की प्रतिभा, कौशल और क्षमताओं पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, अगर यह पाया गया कि किसी निजी संस्थान ने जानबूझकर कन्नड़ लोगों को नौकरी के अवसरों से दूर रखा है, तो सरकार उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार कन्नड़ लोगों के हितों से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

धोनी के आईपीएल भविष्य पर सस्पेंस बरकरार, दिसंबर से पहले लेंगे बड़ा फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी) । महेंद्र सिंह धोनी के आईपीएल फ्यूचर को लेकर सस्पेंस बरकरार है। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने आईपीएल 2027 में खेलने की संभावना पर बड़ा अपडेट दिया है। धोनी के मुताबिक, अगले सीजन में उनकी भागीदारी का फैसला फिटनेस टेस्ट के बाद ही होगा। उन्होंने संकेत दिया कि दिसंबर से पहले वह आकलन करेंगे कि उनका शरीर एक और सीजन खेलने के लिए कितना तैयार है। बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान धोनी से आईपीएल 2027 में खेलने को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, मुझे फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। रिपोर्ट देखने के बाद दिसंबर से पहले यह आकलन करना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना फिट हूं। अगर मैं फिट नहीं हुआ, तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि इस पुरानी गाड़ी को सड़क पर अच्छी तरह चलाने के लिए सब कुछ सही किया जाए। धोनी के इस बयान से फैंस की उम्मीदें जबर बढ़ी हैं, लेकिन उन्होंने अगले सीजन में खेलने की पुष्टि नहीं की है। उनका फैसला फिटनेस और मेडिकल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा।

18 गिरफ्तार, 100 करोड़ के हवाला कारोबार का खुलासा; 1424 बैंक खाते फ्रीज, 17.82 करोड़ की संपत्ति कुर्क

ऑपरेशन त्रिशूल से ड्रस माफिया पर बड़ा प्रहार, 38 ठिकानों पर छापे

नई दिल्ली (एजेंसी) । केंद्र सरकार ने देश में ड्रस के अवैध कारोबार और नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ एक और ऐतिहासिक और बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विचार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए जानकारी दी कि केंद्रीय एजेंसियों और पूर्वोत्तर के राज्यों की पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन त्रिशूल को अंजाम दिया है। अमित शाह के पोस्ट के अनुसार, इस बड़े ऑपरेशन के तहत असम, मिजोरम और मणिपुर में कुल 38 ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी की गई, जिससे अंतरराष्ट्रीय ड्रस कार्टेल की कम्मर टूट गई है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में शाह ने बताया कि 23 अक्टूबर को चलाए गए इस अभियान के दौरान एजेंसियों ने 100 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन का शह पर्दाफाश किया है। जांच के दौरान कुल 1424

बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है, जबकि 17.82 करोड़ रुपये की संपत्तियों को कुर्क किया गया है। बता दें कि इस कार्रवाई में कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, अधिकारियों ने 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपये नकद भी बरामद किए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय ड्रस कार्टेल भारत, म्यांमार और बांग्लादेश के बीच ‘डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर’ के तहत अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था। केंद्र सरकार और तीनों राज्यों असम, मिजोरम और मणिपुर की पुलिस ने आपसी तालमेल से इस खतरनाक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। अमित शाह ने अपने पोस्ट में दृढ़ संकल्प जताते हुए कहा कि मोदी सरकार ने ऑपरेशन त्रिशूल के जरिए ड्रस के खिलाफ एक और घातक प्रहार किया है। शाह ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारत तब

तक हमला करता रहेगा जब तक कि ड्रस कार्टेल के ताबूत में आखिरी किल नहीं ठोक दी जाती।’ उन्होंने इस शानदार सफलता के लिए केंद्रीय एजेंसियों और तीनों राज्यों की पुलिस टीमों को दिल से बधाई दी है। इतना ही नहीं केंद्रीय गृह मंत्री ने देश को नशा मुक्त करने के अपने लक्ष्य को भी दोहराया। अपने पोस्ट में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने संकल्प लिया है कि 31 दिसंबर 2029 तक देश से हर एक ड्रा नेटवर्क का पूरी तरह सफाया कर दिया जाएगा। गृह मंत्री ने साफ किया है कि गृह मंत्रालय इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ‘नशा मुक्त भारत’ के रोडमैप को खूबी से लागू किया जा रहा है। इसके साथ ही, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ ने भी अब तक देश के 35 करोड़ से अधिक लोगों तक अपनी पहुंच बनाई है।

काशी के आसमान में वायुसेना का शौर्य, गंगा तट पर उमड़ा जनसैलाब

तीन दिवसीय एयर शो का भव्य समापन, पीएम मोदी ने नमो घाट से देखा विमानों का रोमांचकारी प्रदर्शन

वाराणसी (एजेंसी)। शिव की नगरी काशी में तीन दिवसीय एयर शो का रविवार को समापन हो गया। 22 अक्टूबर से ही गंगा के ऊपर भारतीय वायुसेना के विमानों के करतब देखने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ था। पहली बार आयोजित इस भव्य एयर शो ने शहरवासियों के साथ आसपास के जिलों के लोगों को भी रोमांचित किया। लोग किसी न किसी रास्ते से गंगा किनारे पहुंचकर विमानों का प्रदर्शन देखना चाहते थे। एक तरफ घाटों और गंगा तटों पर दर्शकों का हुजूम उमड़ रहा था, तो दूसरी तरफ जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी बनाए हुए थीं। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने पर यह उत्साह और बढ़ गया। एयर शो देखने के लिए वाराणसी के नमो घाट से लेकर गंगा के दूसरी ओर चंदौली जिले के तटों तक बड़ी संख्या में लोग जुटे। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में विमानों के करतब देखने को लेकर खास उत्साह रहा। कई लोग दूरदराज के इलाकों से सुबह ही गंगा किनारे पहुंच गए थे, ताकि उन्हें एयर शो देखने का मौका मिल सके। गंगा के ऊपर विमानों की आवाज और उनके हवाई करतब दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बने रहें। रविवार को करीब एक बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो घाट पर एयर शो देखने पहुंचे तो पूरा इलाका हर-हर महादेव और जय हिंद के नारों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री



ने नमो घाट से करीब एक किलोमीटर पहले ही रोड शो शुरू किया। रास्ते में काशीवासियों का उत्साह देखकर वह कार से बाहर आए और लोगों का अभिवादन

प्रधानमंत्री ने मुस्कुराकर सिर हिलाया और लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उनकी एक झलक पाने और स्वागत करने के लिए लोग सड़क किनारे खड़े रहे। प्रधानमंत्री के आगमन ने एयर शो के अंतिम दिन के उत्साह को और बढ़ा दिया। एयर शो के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ रेल परिचालन को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती गई। प्रधानमंत्री के नमो घाट पर मौजूद रहने के दौरान मालवीय पुल से गुजरने वाली ट्रेनों को बिल्ला रूके रवाना करने की व्यवस्था की गई। तीन दिवसीय एयर शो के पहले दिन चैन पुलिंग की घटना सामने आने के बाद रेलवे अधिकारी सतर्क हो गए थे। ऐसे में वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान ट्रेनों के परिचालन और

सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी गई। एयर शो के लिए बड़ी संख्या में लोगों के जुटने को देखते हुए सड़क यातायात और पार्किंग व्यवस्था को भी व्यवस्थित रखने की कोशिश की गई। जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरे आयोजन के दौरान सतर्क रहीं। नमो घाट पर एयर शो के दौरान वायुसेना के पायलट स्वाइडन लीडर अंकिता सिंह, गौतम त्यागी और भावेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत में अपने अनुभव साझा किए। भावेश शर्मा ने कहा कि विमान उड़ते हुए हवा में बिताया हर पल उनके लिए खास है। उन्होंने बताया कि अब तक विमान उड़ाने के करीब 1600 घंटे का अनुभव उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।

भारत-पाक सीमा पर घुसपैठ, चार पाकिस्तानी मछुआरे पकड़े

अहमदाबाद (एजेंसी) । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास कार्रवाई करते हुए चार पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा है। पकड़े गए मछुआरे रविवार को सर क्रीक के दलदली इलाके से केकड़े पकड़ने के बहाने भारतीय जल क्षेत्र में दाखिल हो गए थे। बीएसएफ ने उनकी मछली पकड़ने वाली नाव को भी जब्त कर लिया है। खुफिया इनपुट के आधार पर चलाए गए इस विशेष अभियान में पकड़े गए सभी आरोपित पाकिस्तान के सिंध प्रांत के रहने वाले हैं, जिनसे सुरक्षा एजेंसियां आगे की पूछताछ कर रही हैं। बीएसएफ से मिली जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए मछुआरों की पहचान कादिर थैमोर, मुहम्मद मूसा, असगर थैमोर और अहसान जट के रूप में हुई है। ये सभी पाकिस्तान के सिंध प्रांत के ‘चाच जान खान’ गांव के रहने वाले हैं। सर क्रीक, कच्छ के रण में स्थित एक संकरा और दलदली ज्वारीय चैनल (खाड़ी) है, जो गुजरात और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के तटीय हिस्से के बीच स्थित है। यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील माना जाता है, क्योंकि इसे लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीमा विवाद अरब सागर में समुद्री सीमा के निर्धारण से भी जुड़ा है।

मोदी के पिता पर खरगे की टिप्पणी से सियासी घमासान, शाह का कांग्रेस पर तीखा हमला अमित शाह बोले—चुनावी हार से हताश कांग्रेस के पास न नीति बची, न मुद्दे; व्यक्तिगत टिप्पणियों पर भाजपा ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी) । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खरगे के बयान की आलोचना करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता पहले भी प्रधानमंत्री मोदी और उनके परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कर चुके हैं। शाह ने कहा कि लगातार चुनावी हार के कारण कांग्रेस में हताशा बढ़ी है और पार्टी की राजनीति में मुद्दों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियां हावी हो रही हैं।

अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर खरगे की टिप्पणी पर आपत्ति जताई। उन्होंने लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज पटना में मोदी जी के पिताजी के बारे में अंध्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार को

अपशब्द कहे हों। कभी उनकी पूजनीय माताजी के विषय में अपशब्द कहे, कभी उन्हें ‘मौत का सौदागर’ कहा, तो कभी ‘चायवाला’ कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाया। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हर रोज अभद्रता की सीमाएं पार करती जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में लगातार मिल रही चुनावी हार से कांग्रेस पार्टी में हताशा व निराशा इतनी बढ़ चुकी है कि अब उसके पास न कोई नीति बची है, न कोई मुद्दा, बस गाली-गलौज की राजनीति बची है।

जनता के बीच जनाधार खो चुकी कांग्रेस, अब अपने कार्यकर्ताओं में भी आधार खोती जा रही है। शाह ने यह भी दावा किया कि जब-जब इन्होंने मोदी जी या उनके परिवार पर घृणित टिप्पणियां की हैं, तब-तब जनता ने कांग्रेस को करारा



जवाब दिया है।

वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, आज पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जिस प्रकार की अमर्यादित और असंसदीय भाषा का प्रयोग किया गया है।

वह कांग्रेस के वैचारिक दिवालियापन को दर्शाता है। राजनीतिक विरोध की भी एक गरिमा होती है, लेकिन सार्वजनिक

मंच से स्वर्गीय परिजनों को भाषणों में घसीटना ही अब राहुल गांधी और समूचे विपक्ष का असली ‘संस्कार’ बन चुका है। यह खड़गे जी का व्यक्तिगत बयान नहीं, बल्कि पूरी कांग्रेस की शिष्टाचार-विहीन सोच का प्रकटीकरण है।

जब विपक्ष के पास देश के विकास, नीति और जनकल्याणकारी योजनाओं पर बहस करने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं बचता, तो वे इसी प्रकार की हताशा और व्यक्तिगत आक्षेपों का सहारा लेते हैं। देश की जनता इस अमर्यादित राजनीति को भली-भांति देख रही है और समय आने पर इसका करारा जवाब देगी।

खरगे ने क्या कहा ? बिहार के पटना में डॉ. कृष्ण सिंह की 139वें जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संबोधन के दौरान हंगामा हो गया। वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे, जिस पर खरगे ने दवाब दिया, ‘मोदी का बाप भी जाएगा।’

169 करोड़ की लागत से तैयार साइबर सुरक्षा केंद्र राष्ट्र को समर्पित

मोदी बोले- गांवों और छोटे शहरों तक पहुंचे विकास का लाभ

भुवनेश्वर (एजेंसी) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। करीब 169 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस सुविधा को देश की डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता विकास है और विकास का लाभ गांवों, छोटे शहरों तथा समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भुवनेश्वर में डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन ओडिशा और पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि

सरकार जनहित, सक्रिय प्रशासन और सुरक्षा के मॉडल पर काम कर रही है। उनके मुताबिक, देश का विकास तभी संतुलित होगा, जब गांवों और छोटे शहरों को भी आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। आरबीआई का यह नया केंद्र डिजिटल वित्तीय सेवाओं को अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और प्रभावी बनाने में मदद करेगा। इससे देश की महत्वपूर्ण बैंकिंग और भुगतान प्रणालियों को संचालित करने के लिए सुरक्षित तकनीकी आधार मिलेगा। आरबीआई का यह केंद्र ओडिशा के जटनी स्थित इन्फो वैली में बनाया गया है। यह 18.55 एकड़ क्षेत्र में फैला है। इसका आधारशिला 22 मार्च 2023 को तत्कालीन आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने रखी थी। इस परिसर में डेटा सेंटर के साथ साइबर



सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान भी है। यहां महत्वपूर्ण भुगतान और निपटान प्रणालियों के साथ अन्य प्रमुख तकनीकी पहलों का संचालन किया जाएगा। डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ बैंकिंग व्यवस्था में डेटा की सुरक्षा भी जरूरी हो गई है। यह केंद्र वित्तीय आंकड़ों और तकनीकी प्रणालियों को

सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग ने देश के लोगों को चौबीसों घंटे बैंकिंग सेवाओं से जोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि अब ऐसे लोग भी बैंक से सस्ता और आसान कर्ज ले सकते हैं, जिनके पास गारंटी देने के लिए संपत्ति नहीं है। छोटे कारोबारी, पारंपरिक कारीगर, रेहड़ी-पटरी वाले और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक भी औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं। इस मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि 2014 में हर परिवार को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। उनके मुताबिक, अब देश में 59 करोड़ से अधिक जनधन खातें हैं। इन खातों में सालाना शुल्क और न्यूनतम बैलेंस रखने की शर्त नहीं है।

लोकजीवन

दैनिक

जयपुर एवं बीकानेर में एक सप्ताह प्रकाशित

बीकानेर - २६, २७, २८, २९, ३०, ३१ अक्टूबर



‘पोस्ट-टूथ’ की राजनीति और अराजकता के बीच लोकतांत्रिक असहमति की चुनौती

पिछले कुछ समय से विपक्षी दल कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन-ईवीएम में गड़बड़ी तो कभी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग की छवि को धूमिल करने में लगे हैं। वर्ष 2024 में ‘एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस बनाम भारतीय चुनाव आयोग’ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ईवीएम से जुड़ी सभी आशंकाओं को विराम देते हुए बैलेट पेपर की व्यवस्था पर लौटने की मांग को खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया था कि ठोस तथ्यों या आंकड़ों के बिना केवल संदेह के आधार पर चुनावी प्रक्रिया को लेकर बार-बार संदेह जताना निंदनीय और अवांछनीय है। इसके बावजूद आज तक ईवीएम पर संदेह पैदा करने का काम बंद नहीं किया गया है। इस सत्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि अतीत में अलग-अलग सरकारों के दौरान भी मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया जारी रही। सर्वोच्च न्यायालय ने 2025 के निर्णय में साफ कहा है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की एक बुनियादी शर्त मतदाता सूचियों की शुद्धता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की सटीकता, पूर्णता और अखंडता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है, पर ‘पोस्ट-टूथ’ के इस दौर में इस सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया को भी राजनीतिक विरोध का हथियार बनाकर लोगों के मन में संदेह पैदा करने का काम किया जा रहा है। विपक्ष के इस दुष्प्रचार के तहत चुनाव आयोग जैसी विश्वसनीय और निष्पक्ष संवैधानिक संस्था की साख को क्षति पहुंचाई जा रही है।

यह सब तब किया जा रहा है जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में नेता-प्रतिपक्ष भी शामिल होते हैं। याद रहे कि कांग्रेस सरकारों के समय में मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति मनमाने ढंग से की जाती थी और उसमें किसी की राय तक नहीं ली जाती थी। कांग्रेस द्वारा संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और स्वतंत्रता का अपमान करने का एक लंबा इतिहास रहा है। जब देश में पहला आम चुनाव भी नहीं हुआ था कि तत्कालीन सरकार ने संविधान संशोधन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को पलट कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पार्वदियां बढ़ा दी थीं। आपातकाल का कर्ताकृत अध्याय और उसमें नागरिकों के निर्भरता से दमन तो कभी भूले नहीं भुलाया जा सकता। कांग्रेस का रवैया स्पष्ट है कि जब-जब संस्थाएं उसकी मर्जी के अनुसार काम नहीं करेंगी, तब-तब वह उनकी वैधता को ही कटघरे में खड़ा कर देगी। कांग्रेस की ‘पोस्ट-टूथ’ की राजनीति का शिकार राष्ट्रीय सुरक्षा भी हुई है। 2019 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राफेल मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का गलत हवाला दिया, जिसके लिए उन्हें बिना शर्त माफी भी मांगनी पड़ी थी। राहुल गांधी ने यह भ्रामक दावा भी किया था कि भारत की जमीन पर दूसरे देश ने कब्जा कर लिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि एक सच्चा भारतीय कभी ऐसा नहीं कहेगा।

लोकतंत्र में किसी फैसले पर असहमति तो व्यक्ति की जा सकती है, लेकिन उस असहमति का आधार झूठ नहीं हो सकता न ही उसका लक्ष्य अराजकता फैलाना हो सकता है। बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की यह सीख इस संदर्भ में और भी प्रासंगिक हो जाती है, जिसमें उन्होंने चेताया था कि असंवैधानिक तरीकों के प्रयोग से पैदा होने वाले खतरे बहुत विध्वंसक हो सकते हैं। विपक्ष के नेताओं को डा. अंबेडकर के ‘ग्रामर आफ अनाकी’ पर केंद्रित इस ऐतिहासिक भाषण का निश्चित ही संज्ञान लेना चाहिए और लोकतंत्र में असहमति तथा अराजकता के बीच के अंतर को समझना चाहिए। हमारे अनुसार एक जीवंत लोकतंत्र का आधार सिर्फ राजनीतिक समानता नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक न्याय भी है। यही हमारी सरकार के सभी फैसलों का आधार भी है। एक मजबूत एवं परिपक्व लोकतंत्र के लिए यह भी आवश्यक है कि असहमति और चिंताओं को वैध एवं लोकतांत्रिक माध्यमों से व्यक्त किया जाए और उनका समाधान संवाद और सौहार्दपूर्ण तरीके से निकाला जाए, न कि अराजकता के जरिये। आज समय की मांग है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ-साथ भारत के उदय को किसी की राजनीतिक हार से पैदा हुई निराशा का बंधक न बनने दिया जाए। अस्सर सबसे पहली बलि सत्य की चढ़ती है। अब यही बात धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य एवं प्रतिस्पर्धा पर भी लागू होती दिख रही है। इस संदर्भ में ‘पोस्ट-टूथ’ सार्वजनिक विमर्श का एक बड़ा आयाम बनता जा रहा है। ‘पोस्ट-टूथ’ उस स्थिति को कहते हैं, जिसमें सत्य और तथ्य की जगह मनगढ़ंत नैरेटिव ले लेते हैं। एक समय ‘पोस्ट-टूथ’ अकादमिक बहस तक ही सीमित था, पर आज यह आम राजनीति का हिस्सा बनता जा रहा है। भ्रामक सूचनाओं और फर्जी नैरेटिव के जरिये विपक्ष जनमत को ही प्रभावित नहीं किया जा रहा, बल्कि शक और संदेह के बीज बोकर उन संस्थाओं को भी बदनाम किया जा रहा है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद होती हैं। ‘पोस्ट-टूथ’ के प्रभाव में कपोल-कल्पित बातों को तब तक दोहराया जाता है, जब तक वे सच जैसी प्रतीत न होने लगें। ऐसी स्थिति में सत्य केवल कमजोर, धुंधला ही नहीं पड़ता, धीरे-धीरे झूठ ही सच का रूप लेने लगता है। आज जब कांग्रेस और विपक्ष के कुछ नेता जानबूझकर विवाद खड़े करने, दुष्प्रचार और झूठे दावों के जरिये अराजकता का माहौल बनाने में जुटे हैं, तो यह साफ दिखाई देता है कि भारत का राजनीतिक विमर्श भी ‘पोस्ट टूथ’ की इस प्रवृत्ति से अछूता नहीं।

पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण में जयपुर जिले की आठ पंचायत समितियों की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच निर्वाचित

दूदू, सांभरलेक, जोबनेर, किशनगढ़ रेनवाल, मौजमाबाद, गोविंदगढ़ एवं झोटवाड़ा की ग्राम पंचायतों में निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत जयपुर जिले की आठ पंचायत समितियों की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों के लिए 24 अक्टूबर को हुए मतदान के बाद निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न हो गई है। निर्वाचित सरपंचों के नामों की सूची के बारे में बताते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने ने बताया कि पंचायत समिति चौमूं में अमरपुरा से गीता देवी, अनन्तपुरा (जै.) से बासुदेव पंचोली, बड़कोलाई-भोजलावा से रमेश, बरवाड़ा से बनवारी राईका, भोपावास से बादामी योगी, बिशनपुरा चारणवास से बिमला, चीथवाड़ी से बिमला देवी, दौलतपुरा से संतरा देवी, देवपुरा से कविता कंवर, डोला का बास से किरण कुमारी मीना, फतेहपुरा से संज्या देवी, गौरी का बास से रामस्वरूप, चिनोई से भगवती देवी, हाड़ौता से वन्दना देवी, हाथनोदा से राजू जाट, ईटावा भोपजी से अजय चौधरी, जयसिंहपुरा से मुरलीधर यादव, जैतपुरा से सुमित्रा देवी गुलिया, जालिम सिंह का बास से विजयपाल यादव, जाटवाली से बंशीधर मीणा, कानपुरा से फूल चन्द, कुशलपुरा से लक्ष्मी देवी, लोहरवाड़ा से लाडा देवी, महार कलां से योगेश, मण्डा भिण्डा से कृष्ण कान्त, मोरीजा से सीता देवी, नांगल भरड़ा से गोपाल, नृसिंहपुरा से उर्मिला देवी, निवाणा से गिरधारी, सामोद से रामकिशोर रेगर, टांकरड़ा से योगेश कुमार, उदयपुरिया से बीना देवी, विजयसिंहपुरा से शंकरलाल तथा विमलपुरा से उर्मिला देवी निर्वाचित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि पंचायत समिति दूदू में बिंगोलाव से मेधा, चरासड़ा से ललिता देवी, दांतीरी से संतोष देवी, धांधोली से अमरचन्द जांगिड़, गागरडू से धर्मराज खटीक, गहलोता से राम राज सेवदा, गैजी से कंवरी देवी, हरसोली से हंसा देवी, हट्टपुरा से लाली, ईटाखोई से मोनूराम भील, जड़वाता से सुनीता शर्मा, केरिया बुजुर्ग से भानु प्रताप सिंह खंगारोत, लापोड़िया से गीता देवी, मंमाण्णा से रमेश कुमार सारण, मरवा से ओमप्रकाश, मोरड़ा से लाली देवी, नानण से किशन लाल शर्मा, नयागांव से रेखा गुर्जर, पड़ासोली से भंवर सिंह खंगारोत, रहलाना से हनुमान, साखून से गणेश राम खोजी, साली से शकूर, सिरौही कलां से संतोष कंवर, सुनाड़िया से रामचरण तथा उरसेवा से नन्दू देवी निर्वाचित हुए हैं।

पंचायत समिति सांभरलेक में आकोदा से मुकेश कुमार परेवा, चौनपुरा से सुनिता जाट, हबसपुरा से लाली देवी, हचुकड़ा से पोखरमल यादव, हरिपुरा से कमला देवी, हिरनोदा से रतन लाल कुमावत, जयसिंहपुरा से सीताराम वर्मा, जैतपुरा से बाबू लाल बाना, काचरोदा से रजनी कुमावत, काजीपुरा से मुली देवी, खण्डेल से बन्ना राम, खेड़ीराम से राजू लाल, कोरसीना से मांगी देवी, मूण्डवाड़ा से ओमप्रकाश, नौरंगपुरा से विमला, रामसागर से श्योजीराम, रोजड़ी से गुलाब देवी, सीतारामपुरा से गंगाराम मीणा, शार्दूलपुरा से मुकेश यादव, श्रीरामपुरा से राम कंवरी, श्यामी की ढाणी से पार्वती, सिनोदिया से राम निवास, सुरसिंहपुरा से मांगी देवी,

तेज्या का बास से किरण वर्मा, त्योद से रामपाल तथा त्योदा से सरजू देवी निर्वाचित हुए हैं। पंचायत समिति जोबनेर से निर्वाचित सरपंचों के बारे में बताते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोहरवाड़ा से मोहन लाल, भोजपुरा कलां से उर्मिला, मुरलीपुरा से पतासी देवी, बंशीपुरा से रामदयाल, बबेरवालों की ढाणी से शीला कुमावत, जोरपुरा जोबनेर से शिवकरण जाट, ड्योडी से देवा राम कुमावत, ढाणी बोर्राज से विमला देवी, भगवतपुरा से बलवंत चौधरी, ढीण्डा से जयकुमार कुमावत, आसलपुर से विमला, बोबास से अर्चना, बस्सी झाझड़ा से एकता शर्मा, आईदान का बास से भूरी देवी, कालख से बंशीधर यादव, डेहरा से ममता चौधरी, ढाणी नागाण से गुलाब देवी, भीखावास से पुष्पा देवी, डूंगरी से लक्ष्मण प्रसाद मीणा, खेजड़ावास से सोहन सेपट, बस्सी नागा से अनीता चौधरी, जोरपुरा सुन्दरियावास से प्रवीण सिंह नाथावत, कुड़ियों का बास से अनिता देवी, हिंगोनिया से सम्पति देवी, भैंसावा से सुंदरी देवी, बासड़ी कलां से राजू देवी, डूंगरी कलां से डॉ. सीता राम जाट तथा करणसर से गिरीराज प्रसाद शर्मा निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति किशनगढ़ रेनवाल में अणतपुरा से मदन लाल कुमावत, बधाल से मंजू देवी, बाधावास से किरण यादव, बासड़ी खुर्द से किरण देवी ज्योतिषी, भादवा से जगदीश प्रसाद, भैसलाना से रमेश कुमार वर्मा, डूंगरी की का बास से अर्जुन लाल कुमावत, डूंगरी खुर्द से शिव शंकर वर्मा, गदड़ी से राधा देवी,

हरसोली से मूलचंद रेगर, ईटावा से सरिता सरवाता, जुनसिया से संतोष देवी, काबरी का बास से विमला, खेड़ी मिलक से कानाराम यादव, लालासर से संती देवी, लुनियावास से राजेन्द्र सिंह शेखावत, मलिकपुरा से संतोष यादव, मंडाभीमसिंह से मालीराम, मुंडलीरणजीतपुरा से कानाराम जाट, मुंडियागढ़ से मंशा राम, मुंडोती से गौरा देवी, नान्दरी से अनिल कुमार मीणा, पचकोड़िया से महेश कुमार ककरालिया, रलावता से किरण कंवर, रामजीपुरा कलां से तारा देवी तथा सुन्डी का बास से सरोज लेधा निर्वाचित हुए हैं।

पंचायत समिति मौजमाबाद में अखैपुरा से खेमचन्द नेहरा, बिचून से महेंद्र सिंह, बिहारीपुरा से रामधन मीना, बोर्राज से तुलसी देवी सांखला, देवला से रामेश्वर प्रसाद रेगर, धमाण्णा से हनुमान सिंह चौधरी, गाडोता से गजेन्द्र सिंह बधाला, गंगाती कलां से मीना देवी, गिदानी से गीता देवी, गुढाबैरसल से सोमी देवी, झाग से विमला देवी, झरना से लक्ष्मण लाल यादव, खुड़ियाला से धिंसी देवी, किशनपुरा से कानी देवी, लोरड़ी से रामकुंवार, महलां से भंवर लाल भूकर, मांगलवाड़ा से बनवारी लाल चौधरी, मीरापुरा से शिवराज, मोखमपुरा से मोहरी, मौजमाबाद से तुलसी देवी, नासनोता से निकिता चौधरी, रसीली से सुरेश, सावंली से छोटा देवी, सावरदा से सुशीला कंवर, सेवा से गीता देवी, श्रीनिवासपुरा से सुमित्रा लाडनी तथा उगारियावास से महावीर सिंह निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति

गोविंदगढ़ आलीसर से नेमीचन्द कुमावत, अणतपुरा (चि.) से हंसा यादव, आष्टी कलां से बास से सायर कुमार जाट, छोटा गुढा से भगवान सहाय यादव, देवथला से रामसहाय यादव, धोबलाई से शीला शर्मा, ढोढसर से जितेन्द्र सिंह, गोविन्दगढ़ से अनिता, गुडलिया से नवदीपा, हस्तेड़ा से सुन्दरी देवी, कालू का बास से चक नन्तला, कंवरपुरा से सीताराम, किशनपुरा से अनिता, मलिकपुर से दिनेश कुमार, नांगल गोविन्द से नाथू लाल जाट, नांगल कलां से उर्मिला देवी, नांगल कोजू से राकेश कुमार मीणा, निन्दौला से ममता यादव, सान्दरसर से कमली देवी, सिंगोद कलां से महेन्द्र सिंह, सिंगोद खुर्द से सागरमल, सीतारामपुरा से सीताराम बुनकर, स्याऊ से सुनीता बुनकर तथा तिगरिया से राजू निर्वाचित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि पंचायत समिति झोटवाड़ा में बेगस से भंवरी देवी, भम्भौरी से मदन लाल यादव, बिचपड़ी से चंदा लाल रेगर, चक रामसर से मुकेश कुमार यादव, धानक्या से हरि किशन, दुर्जनियावास से मन्जु, फतेहपुरा से राम नारायण रेगर, गंजाधरपुरा से विमला देवी, कालवाड़ से नरेन्द्र कुमार मीणा, कंवर का बास से सीमा शेरारवत, लालपुरा से पुष्पा देवी, मंडाभोपावास से हंसा देवी, मुंडियारामसर से गोपाल लाल चौधरी, निमेड़ा से दूला राम चौधरी, पचार से राजेश कुमार यादव, सरनाचौड़ से शीतल कवर तथा श्योसिंहपुरा से रुची यादव निर्वाचित हुए हैं।

दीपावली पर अजमेर को बड़ा तोहफा

70 करोड़ की लागत से बनेगा केन्द्रीय बस स्टैण्ड, एडीए कार्यकारी एजेंसी नियुक्त

जयपुर (कासं)। दीपावली से पहले राज्य सरकार ने अजमेर को बड़ा तोहफा दिया है। करीब 50 साल पहले बने अजमेर के केन्द्रीय बस स्टैण्ड को पुनः निर्मित किया जाएगा। राज्य सरकार ने अजमेर विकास प्राधिकरण को बस स्टैण्ड निर्माण के लिए कार्यकारी एजेंसी बनाया है। करीब 70 करोड़ रूपए की लागत से बस स्टैण्ड को आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर तैयार होने वाला यह ड्रीम प्रोजेक्ट आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा। नए बस स्टैण्ड में आधुनिक सुविधाओं के साथ शहर के सौन्दर्यीकरण और व्यवस्थित यातायात पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को बस स्टैण्ड के पुनर्विकास को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ पहली समन्वय बैठक की। बैठक में अजमेर विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (रोडवेज) तथा पीडीकोर के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रस्तावित योजना, निर्माण की रूपरेखा, भूमि की उपलब्धता और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर चर्चा की गई। पीडीकोर की ओर से बस स्टैण्ड के नए स्वरूप को लेकर प्रजेंटेशन भी दिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि अजमेर केन्द्रीय बस स्टैण्ड का विकास शहर की बढ़ती जरूरतों और भविष्य की यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखकर किया जाएगा। बस स्टैण्ड का नया डिजाइन आधुनिक सुविधाओं के साथ शहर के सौन्दर्यीकरण को भी ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। इसमें गार्डन, आकर्षक स्टैच्यू, बेहतर लाइटिंग और आधुनिक संरचनाओं का समावेश होगा। यात्रियों को सुविधाजनक आवागमन, बेहतर प्रतीक्षालय और व्यवस्थित बस संचालन की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित योजना में हाई-राइज प्लेटफार्म, डिजिटल डिस्प्ले, बसों की रियल टाइम लोकेशन की जानकारी, ई-बस चार्जिंग स्टेशन, डीजल पम्प तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कार्यालयों की व्यवस्था



शामिल होगी। वॉल्टो और एसी बसों सहित विभिन्न शहरों के लिए अलग-अलग प्लेटफार्म विकसित करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे यात्रियों को अपनी बस तक पहुंचने में सुविधा होगी और बसों का संचालन अधिक व्यवस्थित हो सकेगा।

बस स्टैण्ड के पुनर्विकास के तहत वर्तमान वर्कशॉप को जयपुर रोड पर स्थानांतरित किया जाएगा। रोडवेज की ओर से एडीए को कुछ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। भूमि की उपलब्धता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करेंगे। वर्कशॉप स्थानांतरित होने से बस स्टैण्ड परिसर का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिक स्थान उपलब्ध होगा।

देवनानी ने अधिकारियों को निर्देश

दिए कि बस स्टैण्ड के पुनर्विकास की योजना को सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आगे बढ़ाया जाए। निर्माण कार्य में आधुनिक तकनीक, यात्रियों की सुविधा, सुगम यातायात और भविष्य की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि अजमेर के केन्द्रीय बस स्टैण्ड को आधुनिक स्वरूप प्रदान करने से शहर की परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी और अजमेर आने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने रोडवेज बस स्टैण्ड का निरीक्षण भी किया। उन्होंने प्रस्तावित विकास कार्यों के मद्देनजर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों के साथ आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की राष्ट्रपति से भेंट

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रायपुर में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने राष्ट्रपति को राजस्थान विधान सभा के प्रतीक चिह्न (लोगो) की प्रतिकृति भी भेंट की। राष्ट्रपति से भेंट के दौरान विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के 75वें वर्ष के अमृत महोत्सव में आयोजित किए जा रहे देशभर की महिला विधायकों के सम्मेलन के लिए उन्हें आमंत्रित किया। देवनानी ने राष्ट्रपति को इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का अनुरोध किया। उन्होंने ?कहा कि उनके सान्निध्य में राजस्थान विधान सभा को संवैधानिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा मिलेगी।

देवनानी ने राष्ट्रपति को बताया कि राजस्थान विधान सभा वर्तमान में संसदीय लोकतंत्र की समृद्ध विरासत का जश्न मनाते हुए अपना 75वां

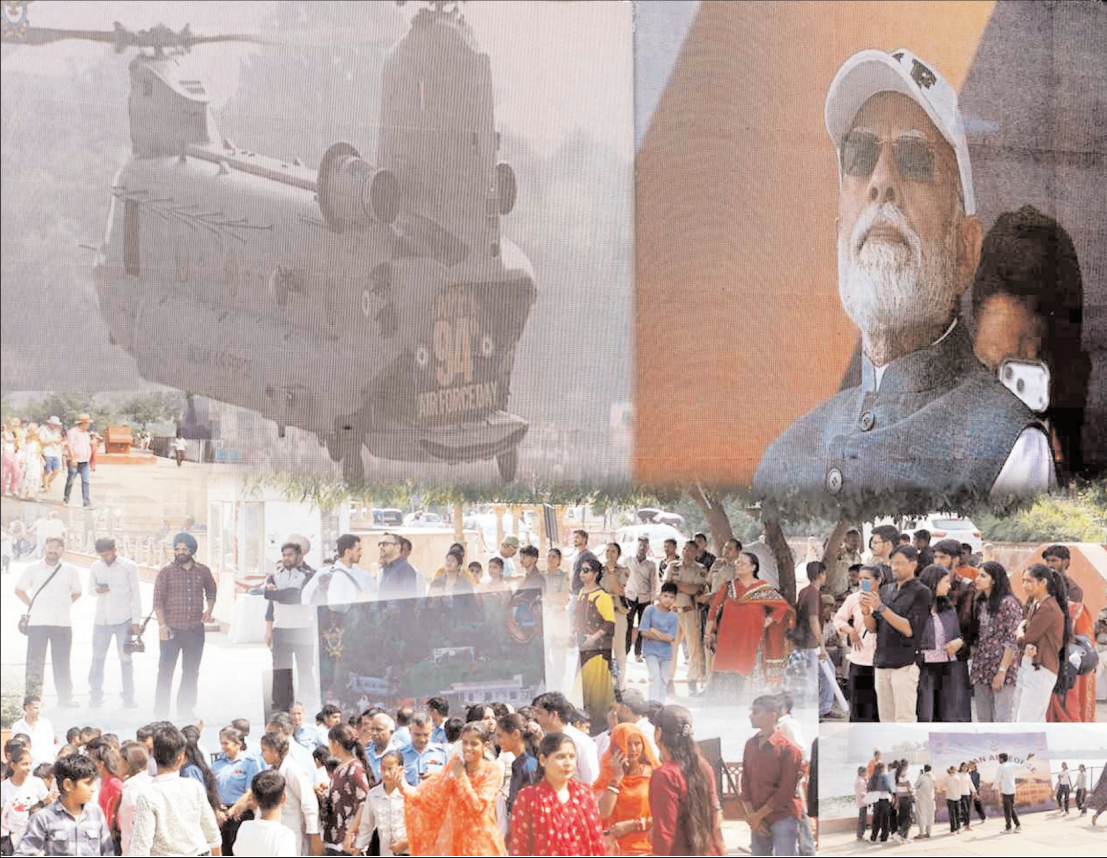
अमृत महोत्सव मना रही है। इन महत्वपूर्ण समारोहों के एक जीवंत और अभिन्न अंग के रूप में, विधान सभा द्वारा 15 जुलाई 2026 को ‘पूर्व और वर्तमान सदस्यों का विधायी गौरव यात्रा समागम’ आयोजित किया गया। विधान सभा के इतिहास में पहली बार आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शिरकत की और समारोह को संबोधित किया। इस अमूर्ती पहल की सभी ने सर्वसम्मति से सराहना की। देवनानी ने राष्ट्रपति को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिला सशक्तिकरण के लिए दूरदर्शी कार्य योजना से प्रेरणा लेते हुए, विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भूमिका, सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व को सशक्त बनाने के उद्देश्य से राजस्थान विधान सभा ने एक विशेष कार्यक्रम महिला विधायक सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय उद्देश्यों को सार्थक जमीनी कार्यों में रूपांतरित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

‘विंग्स ओवर गेंजेस का वाराणसी के नमो घाट से जलमहल की पाल पर हुआ सीधा प्रसारण

आमजन ने देखा भारतीय वायुसेना के लड़ाकू, परिवहन एवं हेलीकॉप्टर का हवाई प्रदर्शन

पल्लिसिटी स्टॉल से बच्चों और युवाओं ने प्राप्त की वायुसेना की कार्यप्रणाली एवं करियर अवसरों की जानकारी

जयपुर। भारतीय वायुसेना के 94 वे स्थापना दिवस पर ‘ भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य गणमान्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में 100 से अधिक एयरक्राफ्ट्स जिसमें राफेल,तेजस सुखोई 30 एमकेआई, सी 130 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित विंग्स ओवर गेंजेस एरियल डिस्प्ले का रविवार को जयपुर के जलमहल के सामने सीधा प्रसारण किया गया। एयर फोर्स स्टेशन जयपुर के कमांडर ने बताया कि सिविल प्रशासन एवं एयर फोर्स स्टेशन जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय वायुसेना की क्षमताओं को प्रदर्शित करना तथा राष्ट्र की सुरक्षा में उसकी भूमिका के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना था। इसके माध्यम से उपस्थित लोगों को भारतीय वायुसेना की सटीकता, पेशेवर दक्षता एवं परिचालन उत्कृष्टता को देखने का अवसर मिला। कार्यक्रम में आमजन, विशेषकर युवाओं ने



उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने तथा भारतीय वायुसेना के कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के तहत युवाओं को भारतीय वायुसेना में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्थल पर वायुसेना की पब्लिसिटी स्टॉल भी स्थापित की गई। युवाओं ने स्टॉल पर पहुंचकर भारतीय वायुसेना में भर्ती की पात्रता, प्रवेश एवं करियर के अवसरों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को वायुसेना में भविष्य तलाशने के लिए प्रेरित करने हेतु पोस्टर, झांग्स बुक एवं पेम्फलेट सहित प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। यह आयोजन सफल रहा तथा इसने सिविल प्रशासन और वायुसेना के बीच प्रभावी समन्वय एवं जनसहभागिता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम ने आगंतुकों को यादगार अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ युवाओं को भारतीय वायुसेना की गौरवशाली सेवा परंपरा और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान के बारे में जानने के लिए प्रेरित किया गया।

1 साल के बच्चे में ऐसे करें खून की कमी पूरी



एनीमिया यानी शरीर में खून की कमी, यह छोटें-बड़े हर उम्र के लोगों को हो सकता है लेकिन प्रेग्नेंट महिला और बच्चों में खून की कमी ज्यादा देखने को मिलती है। खून का कार्य शरीर के सभी भाग को भोजन और ऑक्सीजन पहुंचाना है। अगर खून में कमी आ जाए तो शरीर की गतिविधियां पर काफी असर पड़ता है। खून को लाल रंग हीमोग्लोबिन नामक पदार्थ से प्राप्त होता है, जब इन लाल कोशिकाओं में कमी आ जाती है तो एनीमिया की समस्या आती है।

बच्चों में एनीमिया का कारण

बच्चों में खून की कमी होने का सबसे बड़ा कारण उसके शरीर में आयरन यानि कि लौह तत्वों की कमी होना। इसके अलावा उन बच्चों में खून की कमी देखने को मिलती है जो समय से पहले जन्म लेते हैं।

बच्चों में एनीमिया के लक्षण

नीली और सिकुड़ी हुई आंखें, कमजोर नाखून, भूख में कमी, थकान, सिरदर्द, झुंझलाहट, पीली त्वचा और सांस लेने में दिक्कत अन्य आदि। इसी के साथ होंठों की भीतरी त्वचा, आंखों की भीतरी त्वचा, उसकी हथेलियों और नाखूनों का रंग सफेद या पीला दिखाई देने लगता है।

1 साल के बच्चे को खिलाएं ये चीजें

1. टमाटर

टमाटर बच्चे के शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा तेजी से बढ़ाने का काम करता है। इसलिए बच्चों को रोज 5-7 टमाटर का रस या सूप बनाकर दें।

2. सेब

सेब का रस निकालकर उसमें शहद मिला लें और बच्चे को पीने को दें। इस जूस में लौह तत्व अधिक मात्रा में होता है जो खून की कमी को पूरा कर देता है।

3. अनार

अनार बच्चों के लिए ही नहीं बल्कि बड़ों के लिए फायदेमंद है। इसलिए बच्चों के घर में अनार का जूस निकालकर पिलाएं।

4. मुनक्का

मुनक्का शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा तेजी से बढ़ता है। रात को पानी में मुनक्का भिगोकर रख दें। सुबह इसका पानी को बच्चों पीने के लिए दें।

5. चुकंदर

चुकंदर में आयरन की मात्रा अधिक होती है। यह शरीर में लाल रक्त कणों की सक्रियता को बढ़ाता और खून की कमी पूरा करता है। बच्चे को जूस या इसकी प्यूरी बनाकर खिलाएं।

बिना कैमिकल्स के इस तरह करें बालों को नैचुरल डाई

बालों को कलर करने का आजकल काफी ट्रेंड है। कुछ महिलाएं तो बाल सफेद होने पर हेयर डाई का इस्तेमाल करती हैं लेकिन कई लड़कियों सिर्फ फैशन के लिए ही बालों को हाइलाइट करवाती हैं। इन कैमिकल युक्त हेयर कलर से बालों को काफी नुकसान होता है और बाल समय से पहले ही सफेद हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें कलर करने के लिए नैचुरल चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।



हरी मेहंदी

बालों को कलर करने के लिए हरी मेहंदी सबसे पुराना और असरदार तरीका है। इसके लिए 1 कप हीना मेहंदी में 2 कप नींबू का रस मिलाकर घोल बना लें और 4-5 घंटों के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे बालों में लगाएं और 2 घंटों के बाद सिर धो लें। इससे बाल नैचुरल तरीके से हल्के ब्राउन हो जाएंगे। आप चाहे तो इसमें तिल का तेल और करी पत्तों को पीसकर भी डाल सकती हैं।

चुकंदर और गाजर का रस

बालों को बरगंडी रंग देने के लिए 1 कप चुकंदर और 1 कप गाजर को पीसकर इसका जूस निकाल लें। अब इसे बालों में लगाएं और 1 घंटे के बाद धो लें।

अखरोट के छिलके

बालों को गहरा भूरा रंग देने के लिए अखरोट के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए छिलकों को पीस कर उनका पाउडर बना लें और इसे आधे घंटे के लिए पानी में उबालें। अब इसे छान लें और ठंडा होने के लिए रख दें। इस मिश्रण को बालों में लगाएं और 1 घंटे के बाद सिर धो लें।

चायपत्ती

1 कप पानी में चायपत्ती डालकर उबालें और फिर इसे छान लें। ठंडा



काँफी

इसके लिए स्ट्रॉग काँफी को पानी में उबाल लें और ठंडा होने पर इसमें 1 चम्मच कंडीशनर डाल कर बालों में लगाएं। 1 घंटे बाद सिर धोने पर बाल गहरे गूरे रंग के हो जाएंगे।

डैमेज बालों से लेकर रूसी की समस्या को मिनटों में दूर करते हैं ये 6 उपाएं



हर कोई सुंदर, लंबे और घने बाल चाहता है लेकिन बढ़ते वायु प्रदूषण और खराब डाइट के कारण आपके बाल डैमेज हो जाते हैं। बालों की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए कई तरह के कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इसकी बजाए बाल झड़ने से लेकर रूसी तक की समस्या को आप कुछ घरेलू तरीकों से भी दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं बालों की परेशानियों को दूर करने के कुछ होममेड तरीके।

नारियल का तेल

नारियल तेल को गर्म करके स्कैलप पर लगाकर मालिश करें। इसे लगाने के 1 घंटे बाद शैम्पू से सिर धो लें। नारियल के तेल से हफ्ते में 2-3 बार मालिश जरूर करें।

जैतून का तेल

जैतून के तेल को स्कैलप पर लगाने के बाद मालिश करके गर्म पानी से सिर धोएं। हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करने से आपके बाल झड़ना बंद हो जाएंगे।

अरंडी का तेल

रोजाना रात को सोने से पहले अरंडी के तेल से मालिश करें औ सुबह उठकर सिर धोएं। इसके इस्तेमाल से आपकी बाल झड़ने से लेकर रूसी तक की समस्या दूर हो जाएगी।

एवोकाडो और एग मास्क

डू एवोकाडो को अच्छी तरह से मैश करके उसमें 2 एग योल्क मिक्स करके स्कैलप पर 20 मिनट तक लगाएं। इसके बाद ठंडे पानी से सिर धो लें।

एप्पल साइडर सिरका

1 टीस्पून एप्पल साइडर सिरका, 2 टेबलस्पून जैतून का तेल और 3 एग व्हाइट मिक्स करके बालों में लगा लें। इसे लगाने के 1 घंटे बाद ठंडे पानी से बालों को धोएं।

6. नेचुरल कंडीशनर

दही और अंडे को मिक्स करने के बाद इसे बालों में 15-20 मिनट के लिए लगा लें। एक बाउल में 1 टीस्पून जैतून का तेल, 1 टेबलस्पून शहद और 4 दही मिक्स करके बालों को धोने के 20 मिनट लगाएं। इसके बाद ठंडे पानी से सिर धोएं।

मानसून में भी बरकरार रखें सिल्वर ज्वैलरी की चमक



इस तरह करें रख-रखाव

- चांदी के गहनों को नहाने या हाथ धोने से पहले उतार दें। इन पर बार-बार पानी लगने से यह काली पड़नी शुरू हो जाती है। बारिश में कहीं बाहर जा रहे हैं तो सिल्वर ज्वैलरी न पहनें।
- घर की साफ सफाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले क्लीनर से भी ज्वैलरी खराब हो जाती है। रिंग और चूड़ियों के डिजाइन में क्लीनर फंस जाते हैं और हवा में नमी होने के कारण यह काले धब्बों की तरह हो जाते हैं।
- सिल्वर एक्सेसरीज वॉर्डरोब में शामिल कर रहे हैं तो इनके केयर भी खास तरीके से करनी पड़ती है। इनको ज्वैलरी बॉक्स में खुल रखने की बजाए जिप लॉक बैग्स में डाल कर रखेंगे तो काले पड़ने बचे रहेंगे। इसके अलावा कांटेन लेयर्ड, ज्वैलरी स्टोरेज बैग्स भी इसके लिए बढ़िया ऑप्शन हैं। इससे नमी ज्वैलरी तक नहीं पहुंच पाएगी।
- गहनों का काला पड़ने का एक कारण कॉस्मेटिक और परफ्यूम का इस्तेमाल भी है। पार्टी में ज्वैलरी पहन कर जा रही हैं तो पहले मेकअप और परफ्यूम लगा लें। बाद में एक्सेसरीज विवर करें।

इस तरह करें गहनों को साफ

पानी और साबुन

पानी और साबुन के साथ इसे आसानी से साफ किया जा सकता है। अमोनिया और फॉस्फेट फ्री डिशवॉशर क्लीनर को गुनगुने पानी में डाल कर इस घोल से अपने गहने साफ करें। यह होममेड क्लीनर गहनों को किसी तरह का कोई नुकसान भी नहीं पहुंचाते।

ऑलिव ऑयल और नींबू का रस

आधा कप नींबू का रस और एक चम्मच जैतून का तेल मिक्स कर लें। एक कॉटन के कपड़े को इसमें भिगोकर इससे चांदी के गहने रगड़ कर साफ करें। इसे धोकर सुखा लें। गहनों में शाइन आ जाएगी।

नमक और पानी

एक कप गुनगुना पानी, एक टेबलस्पून नमक डालकर इसे अच्छे से घोल लें और अब इसमें एल्युमिनियम फॉयल के कुछ टुकड़े डाल दें। इसमें ज्वैलरी को 5 मिनट के लिए भिगो कर रखें। बाद में इन्हे ठंडे पानी से धोकर कपड़े से पोछ लें। कालापन दूर हो जाएगा।

टोमैटो सॉस

टोमैटो सॉस की मदद से भी चांदी की चीजों को साफ किया जा सकता है। अगर आपको ज्यादा चमक चाहिए तो आप चांदी की चीजों पर कुछ देर के लिए सॉस लगे रहने दें, बाद में कपड़े की मदद से साफ कर लें।



सावधान! मैकरॉनी खाने से हो सकते हैं इन बीमारियों का शिकार

लोग आजकल हैल्दी खाना खाने की बजाए फास्ट फूड खाना ज्यादा पसंद करते हैं। न्यूडल्स,बर्गर और मैकरॉनी का नाम सुनकर तो मुंह में पानी आ जाता है लेकिन फास्ट फूड के नाम से मशहूर ये फूड पचने में बहुत मुश्किल होते हैं। आप भी अगर इस तरह का खाना पसंद करते हैं तो सावधान हो जाएं। मैकरॉनी खाने से सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।



माइग्रेन

माइग्रेन सिर के एक हिस्से में होने वाला तेज दर्द है। एक शोध के मुताबिक यह बात सामने आई है कि मैकरॉनी में पीले रंग की डाई का इस्तेमाल किया जाता है। यह डाई सिर में दर्द पैदा करती है। माइग्रेन का दर्द सता रहा है को आज ही इसे खाने से परहेज करें। माइग्रेन से पीड़ित व्यक्ति को पीले रंग के खाद्य पदार्थों से दूरी बनानी चाहिए।



अनिद्रा

नींद न आने की परेशान हैं तो इसका कारण इनसोमिया नाम की बीमारी होती है। जो लोग मैकरॉनी खाने से भी होती है। जो लोग अक्सर इसका सेवन करते हैं, उन्हें रात को नींद कम आती है।

एलर्जी

मैकरॉनी को बनाते समय पीले रंग की डाई का इस्तेमाल होता है जो बाँड़ी में एलर्जी की वजह बन सकती है। इसे

खाने के बाद बाँड़ी में किसी तरह कोई बदलाव देखें तो इसका सेवन तुरंत बंद कर दें।

यादाशत कमजोर

इसके सेवन से धीरे-धीरे दिमाग पर भी असर पड़ना शुरू हो जाता है। चीजों को याद रखने में परेशानी होने लगती है।

कैंसर

खाने में इस्तेमाल की जाने वाले डाई में पैटोलियम जैली का इस्तेमाल किया जाता है। जिसे खाने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा बना रहता है।

गर्भावस्था में सोते समय रखें इन जरूरी बातों का ध्यान



तनाव से रहें दूर

रात को इस बात का खास ध्यान रखें। सोते समय किसी प्रकार की बात को लेकर चिंता न करें क्योंकि इससे आपको तनाव होगा और नींद में बाधा आएगी।

सोने की सही स्थिति

गर्भावस्था के दौरान सोने के लिए सबसे अच्छी स्थिति बाईं तरफ करवट लेकर सोना है। इससे महिला को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती।

पेट और पीठ के बल न सोएं

पेट और पीठ के बल कभी न सोएं क्योंकि इससे बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है।

गर्भावस्था तकिए का इस्तेमाल

अगर आपको सोने में दिक्कत आ रही है तो गर्भावस्था तकिए का इस्तेमाल करें जो आपको मार्कोट में आसानी से मिल जाएगा।

सोने से पहले पानी पिएं

वैसे तो पानी पीना बहुत जरूरी है लेकिन अगर आप प्रेग्नेंट हैं तो सोने से करीब 2 घंटे पहले पानी पिएं। इससे बच्चे को एनर्जी मिलेगी।

तिमाही के हिसाब से परिवर्तन

अपने सोने की स्थिति में तिमाही के हिसाब से परिवर्तन लाएं। इससे आप काफी कठिनें से बची रह सकती हैं।

सोते वक्त ढीले कपड़े

रात को सोते समय ढीले कपड़े पहन लें। इससे आपको अच्छी नींद आएगी और बच्चे को भी अच्छ महसूस होगा।



राजस्थान में प्राकृतिक एवं योगिक खेती को मिलेगी नई पहचान, कृषि विभाग और ब्रह्माकुमारी संस्थान के बीच ऐतिहासिक समझौता

प्रदेशभर में प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के विस्तार की दिशा में कृषि विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। रविवार को आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित ग्लोबल समिट के दौरान राजस्थान सरकार के कृषि विभाग एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान की राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग के मध्य महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। राजस्थान सरकार की ओर से कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वहीं, ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग की अध्यक्ष बीके सरला के प्रतिनिधित्व में यह समझौता संपन्न हुआ।

इस ऐतिहासिक पहल से प्रदेश में प्राकृतिक एवं योगिक खेती के विस्तार, किसानों के प्रशिक्षण, कृषि कार्मिकों के क्षमता संवर्धन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को नई गति मिलेगी। समझौते के माध्यम से कृषि विभाग की तकनीकी विशेषज्ञता और ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रशिक्षण एवं जन-जागरूकता संबंधी अनुभवों का समन्वय किया जाएगा।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल एवं किसान हितैषी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा किसानों की दीर्घकालीन आर्थिक समृद्धि से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। गोयल ने कहा कि प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए किसानों को तकनीकी जानकारी के साथ निरंतर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं सफल कृषि मॉडल से जोड़ना आवश्यक है। कृषि विभाग और ब्रह्माकुमारी संस्थान के



किसान की समृद्धि, स्वस्थ मिट्टी और सुरक्षित पर्यावरण की दिशा में बड़ा कदम

कृषि आयुक्त गोयल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य किसानों को आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़कर खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के बीच यह सहयोग प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता एवं विश्वास बढ़ाने के साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, जल संरक्षण, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि व्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा।

गोयल ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि राजस्थान का किसान आर्थिक रूप से समृद्ध बने, हमारी मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण मिले। प्राकृतिक एवं योगिक खेती का विस्तार इस संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह समझौता राजस्थान में प्राकृतिक खेती के विस्तार के साथ किसान कल्याण, कृषि कार्मिकों के समग्र विकास एवं टिकाऊ कृषि व्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के वी सी वीरेन्द्र सिंह जैतावत एवं कृषि विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे

संयुक्त प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मोना पूर्व में ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्राकृतिक खेती मॉडल का अवलोकन कर इसकी सराहना कर चुके हैं।

समझौते के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में किसानों के लिए प्राकृतिक एवं टिकाऊ खेती से संबंधित प्रशिक्षण शिविर,

कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां तथा जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में किसानों को मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, स्थानीय संसाधनों से कृषि आदान तैयार करने, जल संरक्षण, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों तथा टिकाऊ कृषि प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही किसानों को सफल प्राकृतिक खेती मॉडल का प्रत्यक्ष अवलोकन कराने के लिए शैक्षणिक

तीन वर्ष का होगा समझौता, संयुक्त कार्ययोजना से होगी प्रगति की समीक्षा

यह समझौता प्रारंभिक रूप से तीन वर्ष के लिए प्रभावी रहेगा, जिसे दोनों पक्षों की आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दोनों पक्षों द्वारा नोडल अधिकारी नामित किए जाएंगे तथा वार्षिक संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जाएगी। प्रशिक्षित किसानों एवं कृषि कार्मिकों की संख्या, आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जिलावार गतिविधियों तथा प्राकृतिक खेती अपनाने की प्रगति की समीक्षा-समय पर समीक्षा की जाएगी। समझौते के अंतर्गत किसी भी वित्तीय दायित्व का निर्धारण पृथक स्वीकृति एवं प्रचलित शासकीय नियमों के अनुसार किया जाएगा।

कृषि कार्मिकों के क्षमता संवर्धन पर विशेष जोर, तैयार होंगे मुख्य प्रशिक्षक

इस समझौते का लाभ किसानों के साथ-साथ कृषि विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, कृषि पर्यवेक्षकों एवं क्षेत्रीय कार्मिकों को भी मिलेगा। दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में कृषि कार्मिकों को प्राकृतिक खेती की नवीन तकनीकों, प्रभावी कृषि प्रसार गतिविधियों एवं किसानों को बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करने के संबंध में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य प्रशिक्षक तैयार किए जाएंगे, जो आगे जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर किसानों तथा कृषि कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान कर सकेंगे।

भ्रमण एवं अनुभव साझा करने के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि किसान इन पद्धतियों को अपनी खेती में अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। समझौते की एक महत्वपूर्ण विशेषता आबूरोड स्थित तपोवन को योगिक प्राकृतिक खेती के उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सिलेंस) के रूप में विकसित करने की सैद्धांतिक सहमति है। आवश्यक शासकीय स्वीकृतियों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अधीन प्रस्तावित यह केंद्र प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण, प्रदर्शन, अनुसंधान, ज्ञान-विनिमय एवं क्षमता संवर्धन की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन सकेगा। यहां किसानों, कृषि अधिकारियों एवं

मुख्य प्रशिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्राकृतिक खेती के मॉडल प्रदर्शन तथा शैक्षणिक भ्रमण जैसी गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। केंद्र के संस्थागत स्वरूप, आधारभूत सुविधाओं, वित्तीय व्यवस्था एवं संचालन संबंधी विषयों पर पृथक से आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त की जाएंगी।

एमओयू के अंतर्गत कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, कार्यक्षमता एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। ब्रह्माकुमारी संस्थान के सहयोग से राजयोग, ध्यान, सकारात्मक चिंतन, भावनात्मक संतुलन, कार्य-जीवन संतुलन, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इनका उद्देश्य कृषि कार्मिकों में एकाग्रता,

मानसिक संतुलन, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करना है। समझौते के तहत राज्य, संभाग, जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए संयुक्त जागरूकता अभियान संचालित किए जा सकेंगे। दोनों संस्थाएं किसान मेलों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण शिविरों एवं प्रदर्शनियों के आयोजन में सहयोग करेंगी। प्रारंभिक चरण में चयनित जिलों अथवा कृषि समूहों में गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी। प्राप्त अनुभवों एवं परिणामों के आधार पर इनका चरणबद्ध विस्तार प्रदेश के अन्य जिलों में किया जाएगा।

पूर्व सैनिकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी परम्परा- राज्यपाल

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पूर्व सैनिकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी परम्परा और संस्कृति है। उन्होंने देश की सुरक्षा और संप्रभुता बनाए रखने में भारतीय सेना के जवानों और पूर्व सैनिकों के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी सैनिक अपने अनुशासन, अनुभव और नेतृत्व क्षमता से बहुत से स्तरों पर राष्ट्र विकास में सहयोग दे रहे हैं। समाज में एकता, सहयोग और स्थिरता में भी उनकी महती भूमिका है।

बागडे रविवार को जिला पूर्व सैनिक संघ, जयपुर द्वारा आयोजित 'जयपुर डिस्ट्रिक्ट एक्स सर्विसेज लीग' संगठन के गोल्डन जुबली आयोजन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के सम्मान के लिए भारत सरकार ने लम्बे समय से लंबित 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू करके उनको अधिकार देने का महती कार्य किया है। राजस्थान में भी पूर्व सैनिकों और वीरगंगाओं के सम्मान, सुरक्षा और पेंशन लाभों में निरंतर वृद्धि की गई है। एक्स सर्विसेसमें कॉरपोरेशन के माध्यम से राजस्थान में 13 हजार से अधिक पूर्व सैनिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित करने की पहल की गई है ताकि पूर्व सैनिकों और उनके आश्रित परिवारजनों को यथा—समय समुचित सहायता मिल सके।

इसी तरह पूर्व सैनिकों के बच्चों हेतु कॉमिंग सहायता राशि भी बढ़ाकर हमने 15 हजार से अब 25 हजार कर दी है। राज्य सरकार स्तर पर राज्यभर में पिछले कुछ समय के दौरान 14 हजार से अधिक वीरगंगाओं के सम्मान की पहल हुई है। राज्यपाल ने कहा कि सैनिक जब सीमा पर हमारे लिए लड़ता है तो उसका सबसे बड़ा सम्बल उसका परिवार ही होता है। इसलिए सैनिकों के आश्रितों, परिवारजनों का कल्याण भी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने पूर्व सैनिकों को राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए कहा कि दशकों के अनुभव, नेतृत्व, अनुशासन और रणनीतिक सोच को वही समाज में लाते हैं। इसलिए सामाजिक क्षेत्र में उनकी निरंतर भागीदारी राष्ट्र को समग्र रूप से मजबूत बनाती है।

उन्होंने पूर्व सैनिकों को युवाओं के मार्गदर्शन, नशीली दवाओं के दुरुपयोग जैसी चुनौतियों से निपटने में मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'एक बार सैनिक, हमेशा सैनिक' होता है।

मादक पदार्थ तस्करी के सप्लायर दिनेश रेबारी की करीब 15 लाख की अवैध संपत्ति फ्रीज

अराई थाना पुलिस की कार्रवाई: तस्करी के काले धन से बनाई गई वैन्यू कार और आबादी भूमि का प्लॉट किया गया फ्रीज

जयपुर (कासं)। मादक पदार्थ तस्करी के सप्लायर आरोपी दिनेश रेबारी द्वारा अवैध रूप से अर्जित करीब 15 लाख रुपये की संपत्ति को अराई थाना पुलिस की प्रभावी कार्रवाई के बाद अंतिम रूप से फ्रीज कर दिया गया है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 (एफ) (2) के तहत की गई। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय द्वारा एनडीपीएस एक्ट में चालानशुदा अपराधियों के विरुद्ध धारा 68 (एफ) (2) में कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अजमेर हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. लालचन्द कायल तथा वृत्ताधिकारी किशनगढ़ ग्रामीण आयुष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में



अराई थानाधिकारी उपनिरीक्षक राजमल कुमावत ने यह कार्रवाई की। आरोपी के विरुद्ध दर्ज हैं तीन प्रकरण आरोपी दिनेश रेबारी पुत्र रूपाराम (28) निवासी रेबारियों की ढाणी छोटालाम्बा थाना अराई जिला अजमेर के विरुद्ध एनडीपीएस के दो प्रकरणों में

न्यायालय में चालान पेश हो चुका है और दोनों विचाराधीन हैं। वर्तमान में आरोपी थाना अराई के एनडीपीएस एक्ट प्रकरण में फरार है और उसकी तलाश जारी है।

ऐसे हुई कार्रवाई

पुलिस ने चर्चे की तस्करी से अर्जित संपत्ति से खरीदे गए वाहन और

आबादी भूमि से संबंधित दस्तावेज व अन्य रिकॉर्ड संबंधित विभागों से प्राप्त किए। अनुमोदन के बाद ई-कोर्ट पोर्टल के माध्यम से 25 सितम्बर 2026 को धारा 68 (एफ) (2) के तहत संपत्ति फ्रीज करने का इस्तफासा सम्मान प्राधिकारी एवं प्रशासक, दिल्ली के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्राधिकारी ने 23 अक्टूबर के आदेश से आरोपी की संपत्तियां फ्रीज करने के आदेश दिए। आरोपी की ओर से बचाव में कई तथ्य और दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, लेकिन पुलिस ने प्रभावी पैरवी करते हुए समय पर जवाब पेश किए। आरोपी दिनेश रेबारी की दो संपत्तियों एक वैन्यू कार (करीब 8 लाख 70 हजार) तथा ग्राम छोटालाम्बा में एक प्लॉट (करीब 5 लाख 73 हजार रुपये) को फ्रीज किया गया।

न्यूज इनबॉक्स

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ट्रांजिट यात्रा आज

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को उदयपुर की ट्रांजिट विजिट पर रहेंगे। मुख्यमंत्री सोमवार सुबह 7:50 बजे विशेष विमान से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुँचेंगे। यहां से हेलीकॉप्टर द्वारा आबूरोड पहुंच ब्रह्माकुमारी शान्तिवन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे पुनः उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचकर हेलीकॉप्टर द्वारा बांसवाड़ा जिले के खमेरा पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। अपराह्न 3:30 बजे मुख्यमंत्री उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचकर विशेष विमान से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

राज्यपाल बागडे ने राजस्थानी फिल्म

‘माँ’ के प्रदर्शन का शुभारंभ किया

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को जयपुर स्थित राजमंदिर सिनेमा हॉल में राजस्थानी फिल्म ‘माँ’ के प्रदर्शन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने राजस्थानी में निर्मित इस फिल्म के ग्रैंड रिलीज को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजस्थानी भाषा नहीं संस्कृति है। राज्यपाल बागडे ने फिल्म के कुछ अंश भी हॉल में बैठकर देखे। बाद में उन्होंने फिल्म निर्माता और कलाकारों से भी संवाद कर इस पहल की सराहना की।

जिला स्तरीय सीनियर पुरुष-महिला

मुक्केबाजी स्पर्धा 27 से

जयपुर (कासं)। जयपुर डिस्ट्रिक्ट बॉक्सिंग एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय जिला स्तरीय सीनियर पुरुष-महिला मुक्केबाजी स्पर्धा 27 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2026 को अग्रवाल पीजी कॉलेज, आगरा रोड, जयपुर में होगी। जयपुर डिस्ट्रिक्ट बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव एन. एल. निर्वाण ने बताया कि प्रतियोगिता दोपहर 4 बजे शुरू होगी। प्रतियोगिता में 1986 से 2008 तक जन्मतिथि वाले पुरुष-महिला भाग लेंगे। सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता स्थल पर 27 अक्टूबर को सुबह 7 बजे अपने रजिस्ट्रेशन नंबर, आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, जन्मतिथि प्रमाण पत्र, वार्षिक मेडिकल रिपोर्ट, दो पासपोर्ट साइज की फोटोग्राफ व सभी आवश्यक दस्तावेजों के दो फोटोप्रति के सेट लाना अनिवार्य होगा। चयनित मुक्केबाज आगामी राज्य स्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में जयपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर

वाल्मीकि जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ



जयपुर (कासं)। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर के स्वर्ग रोड स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में वाल्मीकि जयंती महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्रीमती सुमनलता अग्रवाल भी उपस्थित रही। साथ ही खांडल विप्र सभा समिति द्वारा आयोजित वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रतिभावान बच्चों के सम्मान समारोह में शिरकत की। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करने तथा सामाजिक समरसता, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन भारतीय समाज को सत्य, धर्म, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा एवं आदर्श जीवन मूल्यों की प्रेरणा प्रदान करता है। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने खांडल विप्र सभा समिति द्वारा आयोजित वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रतिभावान बच्चों के सम्मान समारोह में वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों एवं समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना की तथा प्रतिभावान बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान करना हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने प्रतिभावान बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा, अनुशासन, परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प के माध्यम से जीवन में नई ऊँचाइयां हासिल की जा सकती हैं। बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज उनकी विशेष पहल पर राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे 52 मोड़ की जिन्दौली घाटी के पुराने रोड का निर्माण कार्य का पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ बारीकी से निरीक्षण कर निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ निश्चित समय सीमा में पूर्ण कराने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान हनुमान वाटिका विकास कार्यों की रूपरेखा का विस्तृत फीडबैक लेकर निश्चित टाइमलाइन में कार्य पूर्ण कराने के लिए विभागীয় अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर विभागिय अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्ध नागरिक एवं बड़ी संख्या में बच्चे व आमजन मौजूद रहे।

7-8 दिसंबर को होगी 37वीं राष्ट्रीय जीत

कुन डो चैंपियनशिप

जयपुर (कासं)। 37वीं राष्ट्रीय जीत कुन डो चैंपियनशिप का आयोजन 7 और 8 दिसंबर 2026 को आगरा के एकलव्य स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में करीब 15 राज्यों की टीमों और 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। चैंपियनशिप की तैयारियों को लेकर S.K.M. Memorial Public School में प्रेस वाला आयोजित की गई। इसमें राष्ट्रीय एवं उत्तर प्रदेश जीत कुन डो संघ के पदाधिकारियों ने आयोजन की रूपरेखा, तकनीकी व्यवस्थाओं, खिलाड़ियों की सुविधाओं और प्रतियोगिता के सुचारु संचालन पर चर्चा की। प्रेस वाला में नेशनल कोऑर्डिनेटर सुमित गोहर, नेशनल टेक्निकल डायरेक्टर प्रवीण सैनी, S.K.M. Memorial Public School की प्रधानाचार्या श्रीमती आशा सिंह, उत्तर प्रदेश जीत कुन डो संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश और महासचिव मुकेश मिश्रा उपस्थित अध्यक्ष चेतेंद्र प्रताप सिंह रहे। आगरा जीत कुन डो एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ सिद्धार्थ जैन प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी अपनी तकनीक, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रदर्शन करेंगे। पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय और सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जीत कुन डो युवाओं में आत्मरक्षा, आत्मविश्वास, साहस, अनुशासन और आत्मसंयम विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता खिलाड़ियों को प्रतिभा प्रदर्शन और अनुभव प्राप्त करने का अवसर देने के साथ-साथ खेल भावना, भाईचारे और आपसी सद्भाव को भी बढ़ावा देगी। पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि चैंपियनशिप के सफल आयोजन से आगरा को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी।